अफगानिस्तान के 34 में से 14 प्रांतों पर तालिबान का कब्जा

सरकार समर्थक मिलिशिया प्रमुख को तालिबान ने हिरासत में लिया

कब्जा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। तालिबानी लड़ाके तेजी से अफगानिस्तान की राजधानी काबुल की तरफ बढ़ रहे हैं। इस दौरान रास्ते में जो भी प्रांत पड़ रहा है, उसे वह अपने कब्जे में कर ले रहे हैं। तालिबान का दावा है कि उसने अफगानिस्तान के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े शहर कंधार और लश्करगाह पर भी कब्जा कर लिया है। साथ ही उन्होंने उरुजगान प्रांत की राजधानी तिरीनकोट और घोर प्रांत की राजधानी फिरोज कोह पर भी कब्जा जमा लिया है।

एसोसिएटेड प्रेस ने अफगान सांसद के हवाले से बताया है कि तालिबान ने राजधानी काबुल के दक्षिण में लोगार प्रांत पर भी कब्जा कर लिया है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि तालिबान कुछ ही दिन में राजधानी काबुल पर हमला कर

सकता है। पश्चिम में हेरात भी कट्टर इस्लामी समूह के कब्जे में आ गया है। काबुल से 80 किलोमीटर दूर लोगर प्रांत में सरकारी बलों और तालिबान के बीच लड़ाई जारी है। तालिबान का दावा है कि उसने देश की 34 प्रांतीय राजधानियों में से 14 पर कब्जा कर लिया है।
सरकार को बड़ा झटका देते हुए तालिबान ने प्रमुख शहर कंधार पर कब्जा कर लिया। अफगानिस्तान में कंधार का खास महत्व है। माना जाता है कि कंधार जिसके पास होता है वह ही अफगानिस्तान पर शासन करता है, क्योंकि यह देश का मुख्य व्यापारिक शहर है। यहां पर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है और इसकी प्रांतीय सीमाएं पाकिस्तान व ईरान से लगती हैं। तालिबान के लिए यह शहर इसलिए भी खास है क्योंकि यहीं पर उसका जन्म हुआ था। अमेरिका के ड्रोन हमले में मारे गए मुल्ला उमर ने कंधार में ही तालिबान का गठन किया था।
ईरान की सीमा के नजदीक छह लाख की आबादी वाले हेरात शहर पर भी तालिबान ने कब्जा कर लिया है। प्रांतीय परिषद के सदस्य गुलाम हबीब हाशिमी ने फोन पर बताया कि का यह शहर हाल के दिनों में भुतहा नजर आने लगा है। यहां की सड़कों पर सन्नाटा है और चारों ओर बर्बादी के निशान है। लोग अपने घर छोड़कर भाग चुके हैं या फिर वे घरों में छिपे हुए हैं।

वहीं, हेरात का शेर कहे जाने वाले तालिबान विरोधी मिलीशिया के प्रमुख मुहम्मद इस्माइल खान को हिरासत में ले लिया गया है लेकिन उनके साथ किसी तरह की बदसलूकी होने की खबर नहीं है। उनकी मिलीशिया के सशस्त्र लड़ाके तालिबान से मिल गए हैं। सरकार ने भी मान लिया है कि दक्षिण का यह व्यापारिक केंद्र अब उसके हाथ से निकल चुका है। हालांकि देश के बड़े शहरों में शुमार मजार–ए–शरीफ और जलालाबाद पर सरकार का कब्जा बना हुआ है। राजधानी काबुल में भी सरकार मजबूती के साथ काबिज है।
अफगानिस्तान में भारी हिंसा के बीच तालिबान ने कहा है कि वो अफगानिस्तान में किसी दूतावास या राजनयिक को निशाना नहीं बनाएगा।

न्यूज डायरी

20 साल से गुफा में रह रहा शख्स कोरोना से था अनजान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) साइबेरिया। कोरोना वायरस की महामारी से बचने के लिए सबसे अहम तरीकों में से एक रहा सोशल डिस्टेंसिंग लेकिन आमतौर पर लोगों को इसका पालन करना बहुत मुश्किल लगता है। अगर आप भी बाहर घूमने और लोगों से मिलने के लिए बेकरार हैं तो साइबेरिया के इस शख्स के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए। Stara Planina की पहाड़ियों पर रहने वाले Panta Petrovic को कोविड–19 के बारे में पता ही नहीं चला क्योंकि वह पहले से ही सोशल डिस्टेंसिंग किंग हैं। दरअसल, पैंटा पहाड़ पर एक गुफा में रहते हैं और दुनिया से एकदम–अलग थलग जीवन बिताते हैं।

Happy Independence Day

NARULA KID'S CORNER

'N' Exclusive Showroom of Kids Toys, Imported Prams Motorized Scooter, Car & other Baby Products

Jyoti Narula
0135-2652817
9837156041

2, Shivam Market, Gandhi Road, Dehradun
Email:jyotinarula06@gmail.com

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

अंग प्रत्यारोपण वालों को वैक्सीन बूस्टर से हो सकता है फायदा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कनाडा। घातक और जानलेवा कोरोना वायरस से संक्रमण का खतरा सबसे पहले वैसे लोगों पर मंडरा रहा है जो पहले से दूसरी बीमारियों से जूझ रहे हैं। इस क्रम में यह बात सामने आई है कि अंग प्रत्यारोपण कराने वाले मरीजों को कोरोना वैक्सीन का बूस्टर से फायदा हो सकता है। बूस्टर के तौर पर कोरोना वैक्सीन की तीसरी डोज लाभकारी हो सकती है। दरअसल कनाडा में किए गए एक रिसर्च में इस बात का दावा किया गया है। कोरोना वायरस (कोविड–19) से बचाव को लेकर अंग प्रत्यारोपण वाले मरीजों पर कोरोना वैक्सीन के असर को आंकने के लिए किए गए अध्ययन में दावा किया गया है कि बूस्टर के तौर पर दी गई तीसरी डोज फायदेमंद साबित हो सकती है। यह अध्ययन कनाडा के शोधकर्ताओं ने किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह अध्ययन अंग प्रत्यारोपण वाले उन 120 मरीजों पर किया गया, जिनको वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी थी। इनमें से कोई भी पहले से कोरोना संक्रमित नहीं था। इन प्रतिभागियों को दो समूहों में विभाजित करने के बाद अध्ययन किया गया।

अफगानिस्तान की जनता में बढ़ रहा सरकार के खिलाफ आक्रोश

लोगों ने कहा, सरकार ने हमें बेच दिया.. अगला निशाना काबुल होगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान के दूसरे और तीसरे सबसे बड़े शहर क्रमशः कंधार और हेरात पर तालिबान कब्जा कर चुका है। इन शहरों में जनता में आक्रोश और निराशा साफतौर पर देखी जा सकती है। हेरात और कंधार के निवासियों का कहना है कि उन्हें विश्वास नहीं हो रहा कि अफगानिस्तान को दो सबसे बड़े शहरों पर तालिबान के हफ्तों लंबे प्रयासों के बाद सरकार इतनी जल्दी घुटने टेक देगी। कंधार की रहने वाली एक महिला ने अल जजीरा से कहा, कोई सरकारी विरोध नहीं था, उन्होंने वाकई हमें बेच दिया। महिला ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि कंधार इतनी आसानी से हार जाएगा। पश्चिमी शहर हेरात में विद्रोही बल के रूप में जाने जाने वाले एक स्थानीय तालिबान विरोधी मिलिशिया के समर्थक का। समर्थक ने कहा, सच तो यह है कि इन सभी जगहों को सौंप दिया जा रहा है। देखिएगा, काबुल और मजार–ए–शरीफ अगला टारगेट होगा।

पहली बार हवाई में मिला घातक वायरस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हवाई। एक ओर कोरोना वायरस इंसानों की जान लेता जा रहा है, वहीं दूसरी ओर अब डॉल्फिन पर दूसरे वायरस का खतरा मंडराने लगा है। यूनिवर्सिटी ऑफ हवाई के वैज्ञानिकों ने ऐसा वायरस खोजा है जिससे इन जलीय जीवों के जीवन पर संकट पैदा हो सकता है।